छत्तीसगढ़ राज्य के प्राथमिक विद्यालयों के संविदा शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय – भोपाल की एम.एड़. (प्रारंमिक शिक्षा) उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लधु शोध–प्रबन्ध

2004–2005

निर्देशक
डॉ. इन्द्राणी भादूड़ी
प्रवाचक
शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
भोपाल

शोधकर्ता
माधुरी बोरेकर
एम.एड.

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

2004:2005

छत्तीसगढ़ राज्य के प्राथमिक विद्यालयों के संविदा शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का अध्ययन

D-196

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय – भोपाल की एम.एड़.
(प्रारंमिक शिक्षा) उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लधु शोध–प्रबन्ध

2004–2005

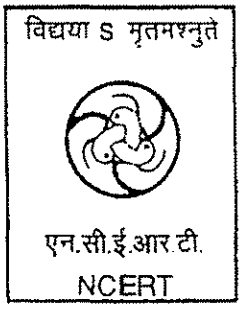

निर्देशक
डॉ. इन्द्राणी भादूड़ी
प्रवाचक
शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
भोपाल

शोधकर्ता
माधुरी बोरेकर
एम.एड.

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **माधुरी बोरेकर** क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.), भोपाल में एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) के नियमित छात्रा हैं, इन्होंने बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि करने हेतु प्रस्तुत लघु शोध विषय प्रबंध **"छत्तीसगढ़ राज्य के प्राथमिक विद्यालयों के संविदा शिक्षकों की शिक्षक प्रभाविता का अध्ययन करना।"** मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। इस शोध कार्य इनकी निष्ठा एवं लगन से किया गया मौलिक प्रयास है, जो पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय की एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) परीक्षा सत्र 2004–2005 की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत है।

स्थान : भोपाल

दिनांक : 05.04.05

निर्देशिका

(डॉ. इन्द्रानी भादुड़ी)
प्रवाचक
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
श्यामला हिल्स, भोपाल

आभार ज्ञापन

प्रस्तुत शोध कार्य की पूर्णता के लिए मैं अपने निर्देशक **डॉ. इन्द्राणी भादूड़ी** की कृतज्ञ हूँ, जिन्होंने मुझे समय-समय पर उचित निर्देशन एवं प्रोत्साहन देकर इस शोध कार्य को सम्पन्न करने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। प्रस्तुत शोध ग्रन्थ आपके मार्गदर्शन का ही प्रतिफल है। आपके द्वारा धैर्यपूर्वक प्रदत्त आत्मीयता, वात्सल्य पूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन अविस्मरणीय रहेगा।

मैं माननीय **डॉ. एम.एस. सेनगुप्ता,** प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल एवं **डॉ. अविनाश ग्रेवाल मेडम,** विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल की भी आभारी हूँ, जिन्होंने अनुकूल वातावरण एवं सुविधायें देकर मेरे कार्य को सुगम किया।

शिक्षा विभाग के समस्त गुरूजनों के शैक्षिक सहयोग के लिये मैं हृदय से आभारी हूँ। विशेष कर **डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण सर,** जिन्होंने शोध कार्य में सहायता प्रदान की। साथ ही मैं उन महानुभावों की हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने रायपुर स्थित स्कूलों, जिन्होंने आंकड़ों के संकलन के लिये सुविधा प्रदान कर सहयोग दिया।

मैं पुस्तकालय परिवार के समस्त सहयोगियों को धन्यवाद देती हूँ साथ ही अपने सहपाठियों की भी आभारी हूँ, जिन्होंने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से शोध कार्य करने में सहयोग दिया।

अंत में मैं अपनी परिवारजनों, पूजनीय माता-पिता एवं भाईयों व बहन की हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने इस कार्य के लिये तन-मन-धन से सहयोग दिया एवं मेरा मनोबल बढ़ाया।

Madhuri Borekar 05/04/05

स्थान : भोपाल
दिनांक : 01.04.2005

कु. माधुरी बोरेकर
एम.एड.

शोध परिचय

विवरण	पृष्ठ क्र.
अध्याय–1 : प्रस्तावना	1
प्रस्तावना	1
प्रभावी शिक्षण क्या है ?	5
शिक्षक प्रभावशीलता क्या है ?	6
समस्या का चयन	13
समस्या का कथन	16
शोध के चर	16
समस्या का सीमांकन	16
शोध के उद्देश्य	17
शोध की परिकल्पनाएं	17
अध्याय–2 : संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन	
भूमिका	19
साहित्य पुनरावलोकन के लाभ	19
संबंधित साहित्य	20
उपसंहार	28
अध्याय–3 : शोध प्रविधि	29
भूमिका	29
शोध डिजाईन	29
न्यादर्श	30
उपकरण का विवरण	35

शिक्षक प्रभाविता परिसूची 35
निर्देशानुसार सलाह 36
विश्वसनियता 37
वैद्यता 37
स्कोरिंग के निर्देश 37
प्राथमिकता के अनुसार प्रतिक्रिया का विवरण 38
प्रदत्तों का संकलन 40
सांख्यिकी की विधियाँ 40

अध्याय–4 : प्रदत्तों का विश्लेषण 41
अध्याय–5 : सारांश एवं निष्कर्ष 50
भूमिका 50
शीर्षक 51
अध्ययन के उद्देश्य 51
परिकल्पनाएँ 52
न्यादर्श 52
उपकरण एवं तकनीक 53
चर 53
मुख्य परिणाम 53
सुझाव 54